

पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया कांग्रेस का जुलूस और अर्थी छीनकर उन्हें आगे जाने से रोक दिया

एमआरपी से ज्यादा शराब बिक्री के विरोध में निकाला सीएम का सांकेतिक अर्थी जुलूस!

हरिभूमि जबलपुर।

शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक कीमत में शराब बिक्री और अवैध शराब के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए युवा कांग्रेस ने रविवार को मुख्यमंत्री का सांकेतिक अर्थी जुलूस निकाला। युवा कांग्रेस नेता विजय रजक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने यह जुलूस आबकारी उप आयुक्त संजीव दुबे के निवास की ओर निकाला। हालांकि पुलिस ने रास्ते में ही जुलूस रोक दिया और कार्यकर्ताओं से सांकेतिक अर्थी छीनकर उन्हें आगे जाने से रोक दिया।

विजय रजक ने आरोप लगाया कि जबलपुर में शराब दुकानों पर आबकारी अधिकारियों की कथित मिलीभगत से ग्राहकों से एमआरपी से अधिक राशि वसूली जा रही है। उन्होंने कहा कि कई ग्राहकों ने वीडियो और ऑनलाइन भुगतान के साक्ष्यों के साथ आबकारी विभाग में शिकायत की, लेकिन इसके बावजूद संबंधित दुकानों पर कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने इसे आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल बताया।



जबलपुर में 60 से अधिक स्थानों का दावा

युवा कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सरकारी आंकड़ों में जबलपुर में 60 से अधिक स्थानों पर अवैध अथवा जहरीली शराब की बिक्री की जानकारी सामने आई है। उनका आरोप है कि इसके बावजूद अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रोक नहीं लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शहर में कथित तौर पर 24 घंटे शराब की उपलब्धता से युवा वर्ग भी इसकी चपेट में आ रहा है।

पुलिस से झड़प, बीच रास्ते रोका जुलूस

कार्यकर्ता सांकेतिक अर्थी लेकर आबकारी उप आयुक्त के निवास की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झुमाझुटकी भी हुई। पुलिस ने सांकेतिक अर्थी अपने कब्जे में लेकर कार्यकर्ताओं को आगे जाने से रोक दिया। विजय रजक ने कहा कि शिकायतों पर कार्रवाई होने तक आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा।

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में विजय रजक, सिद्धांत जैन, सौरभ गौतम, बादल पंजवाणी, शुभम रजक, ऋषभ मिश्रा, शुभांशु कर्माजिया, मोहनसि खान, रिकू बदलाणी, जिशन नमशूरी, सुमित गुप्ता, विनय पटेल, मोहित सुकेते, रन्वी परिहर, प्रियांशु दीवान, तनिष्क राय, रितिक जैन, राहुल चक्रवर्ती, मोनू खंडेलवाल, देवेंद्र कानी, राहुल अहिरवार, कृष्णा रजक सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

32.07 करोड़ से अधिक के मामलों का निपटारा, 19.60 करोड़ की राशि प्राप्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 12 सितंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने विद्युत अधिनियम से संबंधित लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। जबलपुर, सागर, रीवा एवं शहडोल क्षेत्रों में कुल 18,048 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिनकी कुल राशि 32.07 करोड़

नेशनल लोक अदालत में 18,048 विद्युत प्रकरणों का किया गया निराकरण

रुपये से अधिक रही। लोक अदालत में कंपनी को 19.60 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई, जबकि उपभोक्ताओं को करीब 5.43 करोड़ रुपये की छूट दी गई। इसके अलावा 4.02 करोड़ रुपये ब्याज एवं 3.01 करोड़ रुपये चक्रवृद्धि राशि का समायोजन किया गया। कुल निराकृत प्रकरणों में 15,269 प्री-लिटिगेशन और 2,779 न्यायालयीन प्रकरण शामिल रहे। रजतवार जबलपुर में 7,252, सागर में 3,646, रीवा में 5,533 और

शहडोल में 1,617 प्रकरणों का निराकरण हुआ। राशि प्राप्ति में रीवा क्षेत्र 7.91 करोड़ रुपये के साथ आगे रहा, जबकि जबलपुर क्षेत्र ने सर्वाधिक प्रकरण निपटाए। कंपनी प्रबंधन ने अधिकारियों, कर्मचारियों, विधि अधिकारियों एवं प्रवर्तन दलों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आपसी सहमति और संवाद के माध्यम से विद्युत विवादों का त्वरित समाधान उपभोक्ता हित में महत्वपूर्ण कदम है।

‘चित्रकला में रेखांकन और रंगों से अधिक विचार महत्वपूर्ण’

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत परिवार हिंदी समिति एवं केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय हिंदी महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को रामपुर स्थित कल्याण भवन में शालेय विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता से हुआ। तीन वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता में करीब 350 विद्यार्थियों ने पर्यावरण, प्रकृति और हिंदी के प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न विषयों पर चित्र बनाकर अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। निर्णायक एवं कार्टूनिस्ट राजेश दुबे ने कहा कि चित्रकला केवल रेखांकन और रंगों का संयोजन



नहीं, बल्कि विचारों की अभिव्यक्ति है। हिंदी समिति के अध्यक्ष फिरोज कुमार मेश्राम ने कहा कि बच्चे संस्कृति और भाषा के भविष्य हैं तथा कला भी

अभिव्यक्ति की सशक्त भाषा है। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। कार्यक्रम में कार्टूनिस्ट राजेश दुबे को कार्टून एवं चित्रकला में योगदान के लिए शॉल, श्रीफल

हर बालक को भारतीय मिट्टी और परंपरा का संस्कार देना लक्ष्य : डॉ. कृष्णगोपाल

जबलपुर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समापन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह स्वकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की है, लेकिन लक्ष्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं होना चाहिए। प्रत्येक बालक को भारत की मिट्टी, परंपरा और संस्कारों से जोड़कर श्रेष्ठ नागरिक बनाना



विद्या भारती का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि पुस्तकीय ज्ञान के साथ बच्चों में आध्यात्मिक चेतना और सर्वांगीण विकास के लिए

गोसलपुर गेट नंबर 330 पर 13 से 20 सितंबर तक सड़क यातायात बंद

जबलपुर। रेल पथ की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर मंडल द्वारा गोसलपुर स्टेशन के समीप समपार फाटक क्रमांक 330 पर अनुसूचण एवं ओवरहॉलिंग कार्य कराया जाएगा। इसके चलते 13 सितंबर की सुबह 8 बजे से 20 सितंबर 2026 की शाम 5 बजे तक फाटक से गुजरने वाला अप एवं डाउन सड़क यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। रेलवे के अनुसार, इस अवधि में वाहन चालक धमकी फाटक के एलएचएस तथा समपार फाटक क्रमांक 331 गोसलपुर गेट का उपयोग कर सकेंगे। रेलवे ने यात्रियों, वाहन चालकों और आम नागरिकों से निश्चित अवधि में वैकल्पिक मार्ग अपनाने तथा कार्य के दौरान जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

बिहार से उड़ीसा के रास्ते जबलपुर पहुंची खेप

जबलपुर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच एवं थाना मदनमहल पुलिस की संयुक्त टीम ने मॉडल रोड स्थित लॉयड गैलरी के सामने कार्रवाई करते हुए 10 किलो 168 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा, एक एंड्रायड मोबाइल फोन और दो बैग जब्त किए हैं। जब्त गांजे की कीमत करीब 5 लाख 8 हजार 400 रुपए बताई गई है। थाना प्रभारी मदनमहल उमेश यादव के अनुसार 12 सितंबर 2026 की रात क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मॉडल रोड लॉयड गैलरी के सामने एक संदिग्ध व्यक्ति बस से उतरा है, जिसके पास नीले और हरे रंग के बैग हैं। सूचना पर क्राइम ब्रांच एवं मदनमहल पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश देकर संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रवि कुमार पिता बबन ओझा, उम्र 50 वर्ष,

10 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार



निवासी ग्राम इस्माईलपुर, थाना मेहदिया, जिला अरवल, बिहार तथा वर्तमान पता बस स्टैंड के पास झारसुगुड़ा, ओडिशा बताया। दोनों बैगों की तलाशी लेने पर हरे रंग के बैग में पांच तथा नीले रंग के बैग में पांच पैकेट मिले। जांच में पैकेटों के अंदर गांजा पाया गया। एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत गांजे का वजन कराया गया, जो कुल 10 किलो 168 ग्राम निकला। पुलिस ने गांजा, एंड्रायड मोबाइल और दोनों बैग जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 8/20

एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पाटन रोड, जबलपुर के पास रहने वाले अपने गांव के निवासी मलखान नामक व्यक्ति के साथ बस में आया था। तीन पत्नी बस स्टैंड पर मलखान से मिलने की बात थी, इसलिए वह बस से कुछ दूरी पहले उतर गया था। आरोपी ने गांजे के संबंध में पूरी जानकारी मलखान को होने की बात बताई है। पुलिस अब मामले में मलखान की भूमिका और गांजे की सप्लाई चेन की जांच कर रही है।

इसके बावजूद आरोपी 25 अगस्त और 5 सितंबर 2026 को बिना किसी सूचना के थाना केंद्र में उपस्थित नहीं हुआ। पुलिस ने इसे जिला दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन मानते हुए 12 सितंबर की रात मुखबिर की सूचना पर बावड़ी मोहल्ला, संजय गांधी नगर स्थित आरोपी के निवास के पास दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 223(ए) बीएसएस् एवं धारा 14 मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

जो व्यापार्य में विचारधीन हैं। उसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला बंदर का प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी जबलपुर के सम्मक्ष भेजा गया था। जिला दण्डाधिकारी ने 27 जुलाई 2026 को आदेश जारी करते हुए अखिलेश पारी को छह माह की अवधि में प्रत्येक माह की 5 और 25 तारीख को थाना केंद्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के निदेश दिए थे। आदेश की तारीखी 14 अगस्त 2026 को आरोपी को करा दी गई थी।

अनौपचारिक विद्यालयों में 37 लाख विद्यार्थी और 1.70 लाख से अधिक शिक्षक जुड़े हैं। 280 आवासीय एवं 1041 जनजातीय विद्यालय भी संचालित हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे ने डिजिटलाइजेशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक का समापन वंदेमातरम् के साथ हुआ। प्रादेशिक सचिव डॉ. सुशील अग्रवाल ने बताया कि 14 सितंबर को सुबह 7 बजे नर्मदा जी को हलवा की कढ़ैया चढ़ाई जाएगी।

अटल से ओंकार तक समर्पण, विचार और संगठन की निसाल : सांसद दुबे



के लिए सजग है। जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने उनके संगठनात्मक संघर्ष और महाकौशल में पार्टी को स्थापित करने में योगदान को याद किया। भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि प्रतिमा की पुनर्स्थापन के लिए प्रयास जारी हैं। पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने दादा बाबूराव परांजपे एवं ओंकार

महाराज की प्रतिमाओं की पुनर्स्थापना के लिए सर्वदलीय समिति गठित करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में पूर्व महापौर प्रभात साहू, सुधीर नाईक, पं. वासुदेव शास्त्री, शरद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



गुरु रविदास के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

समरसता संकल्प अभियान के तहत निकली भव्य कलश वंदन यात्रा

जबलपुर। समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पूर्व विधानसभा के श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं लोकमान्य तिलक मंडल में कलश वंदन यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि गुरु रविदास जी ने समानता, भाईचारे, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया। उनके विचारों को आत्मसात कर भेदभाव मुक्त एवं समरस समाज का निर्माण करना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं ने गुरु रविदास जी के बताए मार्ग पर चलने और

सामाजिक एकता व सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल की यात्रा का शुभारंभ डॉ. बुधराज के पास स्थित रविदास मंदिर में पूजन-दर्शन के साथ हुआ। वहीं लोकमान्य तिलक मंडल की यात्रा झंडा चौक से विभिन्न मार्गों से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र राजपूत, जिला मंत्री पंकज मिश्रा, रीना राय, महिला मोर्चा अध्यक्ष आत्मिका सिंह, मंडल अध्यक्ष योगेश लोखंडे व कैलाश चक्रवर्ती, दशरथ पटेल, जागेश समुंदरे, राहुल दुबे, चित्रकांत शर्मा, संतोष झरिया सहित पदाधिकारी, मातृशक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंजाबी हिंदू एसोसिएशन ने मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व सहयोग राशि बांटी



जबलपुर। पंजाबी हिंदू एसोसिएशन द्वारा पितृविहीन एवं मेधावी छात्र-छात्राओं की शिक्षा में सहयोग के लिए छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता राशि वितरित की गई। कार्यक्रम एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र पाल मलिक की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। एसोसिएशन के जनसंपर्क अधिकारी उमेश शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा शहर के प्रतिभावान विद्यार्थियों की शिक्षा जारी रखने तथा पितृविहीन बच्चों को आर्थिक संकल प्रदान करने के उद्देश्य से यह सहायता दी गई है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि साध्वी ज्ञानेश्वरी

दीदी ने एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि निर्धन विद्यार्थियों के सहयोग और प्रतिभावान विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना सराहनीय सामाजिक पहल है। कार्यक्रम में नरेंद्र पाल मलिक, नरेश श्रॉवर, इंंदर विरमानी, उमेश खुराना, उमेश शर्मा, प्रमोद मरवाह, धनवंत राय सेठी, रघुवर् कपूर, राजीव ओबेरॉय, प्रदीप वाधवा, नरेंद्र धमीजा, सुधीर मेहता सेठी, सुशील खानंद, गुलशन मखीजा, राकेश गुप्ता एवं उषा आनंद सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।



कायस्थ वूमेन क्लब ने हल्दी-कुंकुम के साथ मनाया हरियाली महोत्सव

जबलपुर। ईरा नंदनी कायस्थ वूमेन क्लब द्वारा महाराष्ट्रीयन महिलाओं के साथ हल्दी-कुंकुम एवं हरियाली महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने महाराष्ट्रीयन संस्कृति और परंपराओं को पारंपरिक परिधान, श्रृंगार एवं गतिविधियों के माध्यम से जीवंत किया। सभी महिलाएं पारंपरिक महाराष्ट्रीयन साड़ियों और आकर्षक श्रृंगार में नजर आईं। आयोजन के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली का संदेश देते हुए प्रत्येक

महिला को गमले में पौधा भेंट किया गया। क्लब की अध्यक्ष शीतल श्रीवास्तव एवं उपाध्यक्ष अंशुल वर्मा ने कहा कि पौधा महज उपहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य का संकल्प है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नम्रता चंद्र, अर्चना श्रीवास्तव एवं कीर्ति श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सिमरन सक्सेना, निधि श्रीवास्तव, राजश्री खरे, रूचि श्रीवास्तव, निधि खरे सहित क्लब की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

दोनों आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजे गए, कपड़े और बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ॥ महासमुंद्र ।

जिले के बसना थाना क्षेत्र की बंवरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम बड़े साजापाली में परदेशी यादव की मौत के मामले में पुलिस ने 48 घंटे के भीतर गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। शुरुआती तौर पर मामला संदिग्ध नजर आने के बाद पुलिस ने जांच तेज की और फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण किया।

अस्पताल से मिले मेमो के बाद पुलिस ने मृतक के शरीर की जांच की, जिसमें चोट के निशान पाए गए। इसके बाद पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की आशंका सामने आने पर पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना से पहले तीन लोग एक साथ शराब का सेवन कर रहे थे।

मुख्य आरोपी पिटाई के बाद उसे अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया

हाथ-मुक्तों और लात से की थी नारपीट

पुलिस के मुताबिक शराब पीने के दौरान मृतक परदेशी यादव और आरोपी मगोहर कोसरिया के बीच उसकी पत्नी से कथित छेड़छाड़ को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोप है कि मगोहर ने परदेशी के साथ हाथ-मुक्तों और लात से मारपीट की। मारपीट में परदेशी गंभीर रूप से घायल होकर अचेत हो गया। इसके बाद मगोहर कोसरिया और मानूपताप लहरे उसे मोटरसाइकिल से

अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने परदेशी के साथ मारपीट करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने खुन लगे कपड़े और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी बरामद की है। मामले में पुलिस ने मगोहर कोसरिया और मानूपताप लहरे को गिरफ्तार कर लिया है।



हसदेव नदी में लापता तीनों छात्रों के शव बरामद

जांजगीर-चांपा। जिले के बलौदा थाना क्षेत्र के देवरी गांव में हसदेव नदी में हुए हादसे में लापता चौकसे कॉलेज के तीनों छात्रों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मृतकों की पहचान मुरारी साहू, पवन पाल और सचिन सिंह के रूप में हुई है। तीनों बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। बताया गया कि 11 सितंबर को कॉलेज के 8 छात्र-छात्राएं वाहन बुक कर पिकनिक मनाने देवरी गांव पहुंचे थे। इसी दौरान नदी में यह हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, 11 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे सभी छात्र-छात्राएं देवरी पहुंचे थे। पिकनिक के दौरान पवन पाल का पैर अचानक नदी में फिसल गया और वह तेज बहाव में बहने लगा। पवन को बचाने के लिए मुरारी साहू और सचिन सिंह भी नदी में कूद गए।

पुलिस और नगर सैनिक गोताखोरों ने की तलाश

सूचना मिलते ही बलौदा पुलिस और नगर सैनिक गोताखोर मौके पर पहुंचे। इसके बाद लापता छात्रों की तलाश के लिए सर्वे ऑपरेशन शुरू किया गया। बाद में बिलासपुर एसडीआरएफ की टीम ने भी अभियान में मोर्चा संभाल लिया। कई घंटे की तलाश के बाद शनिवार को घटनास्थल से करीब 4 किलोमीटर दूर पवन पाल का शव बरामद किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पवन के बाद मुरारी और सचिन की तलाश लगातार जारी रही। रविवार सुबह बिलासपुर एसडीआरएफ की टीम ने करीब 6:15 बजे मुरारी साहू और 7 बजे सचिन सिंह का शव बरामद कर लिया। बताया गया कि दोनों के शव नदी में पथरों के नीचे बने खोखरागुमा हिस्से में फंसे हुए थे। एसडीआरएफ टीम ने कड़ी मशकत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला। तीनों छात्रों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।



खबर संक्षेप

दिव्यांग विद्यार्थियों से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया संवाद

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल के भारत भारती आवासीय विद्यालय में ‘सक्षम’ मध्य भारत प्रांत के प्रांतीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में शामिल होकर दिव्यांग विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान 16 जिलों से आए प्रतिनिधियों के साथ दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, सम्मान तथा आत्मनिर्भरता से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व विश्व कप विजेता गुरुदास राजपूत, ‘सक्षम’ मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव उमेश अंधारे, पद्मश्री मोहन नागर, दिव्यांगजन आयुक्त अजय खेमरिया, अतीत पवार, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री हंसराज धुर्वे, सक्षम संस्था बैतूल के अध्यक्ष सुनील कुमार हिरानी सहित ‘सक्षम’ संस्था के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गिरते पानी में डेब नदी के ऊपर तार बदलने का सफलतापूर्वक कार्य

भोपाल। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड खरगोन जिले के दक्ष और सेवाभावी कर्मचारियों ने वर्षा के बाद भी नदी के दोनों छोर के ऊपर 33 केवी के तार बदलने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक किया है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने इस कार्य को प्रशंसीय और अनुकरणीय बताया है। 220 केवी अति उच्च दाब सब स्टेशन जुलवानिया से खरगोन जिले के सैगांव तक जाने वाले 33 केवी फीडर के तार भूलगांव के पास डेब नदी के उपर से निकलते हैं।

घंटों चला ड्रामा, पुलिस की नाक में किया दम ऊंचे ट्रांसमिशन के हाईटेंशन लाइन टावर पर चढ़ा युवक

हरिभूमि न्यूज ॥ कोरबा

जिले में रविवार को एक हैरान कर देने वाला हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। करतला थाना क्षेत्र के नोदरहा के बरकौना गांव में एक शादीशुदा युवक 150 फीट ऊंचे ट्रांसमिशन के हाईटेंशन लाइन टावर पर चढ़ गया और सुबह चढ़ा और करीब 6 घंटे तक नीचे नहीं उतरा। टावर पर चढ़े युवक की खबर गांव में आग की तरह फैल गई और उसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस और प्रशासन के लिए भी यह मामला सिरदर्द बन गया।

जानकारी के अनुसार युवक का नाम देव सिंह राठिया बताया जा रहा है, जो शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। बताया गया कि घटना के समय युवक शराब के नशे में धुत था। दोपहर के समय अचानक वह गांव के पास लगे हाईटेंशन टावर पर चढ़ने लगा। देखते ही देखते वह टावर के सबसे ऊपरी हिस्से टॉप तक पहुंच गया।

युवक को टावर पर चढ़ता देख पत्नी, बच्चे और गांव के लोग नीचे से उस उतरने के लिए मनाते रहे, चिल्लाते रहे, लेकिन वह किसी की सुनने को तैयार नहीं था। कभी वह टावर के ऊपर जाता तो कभी थोड़ा नीचे आता, फिर ऊपर चढ़ जाता। उससे ऊपर चढ़ने का कारण पूछा गया तो वह कुछ भी बताने को तैयार नहीं था, सिर्फ टावर पर बैठा रहा।



सुरक्षित उतरने के बाद ली राहत की सांस

घटना की सूचना मिलते ही करतला थाना प्रमारी गणेश यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार को भी मौके पर बुलाया गया। हाईटेंशन लाइन में हजारों वोल्ट का करंट होने से उसकी जान को खतरा था, इसलिए पुलिस बेहद सावधानी से उसे समझाने में जुटी रही। लगभग 6 घंटे की कड़ी मशकत और समझाइश के बाद आधिकार युवक को नीचे उतरने को राजी हुआ। जैसे ही वह नीचे उतरा, वहां मौजूद लोगों और पुलिस ने राहत की सांस ली। करतला थाना प्रमारी गणेश यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। तहसीलदार के साथ मिलकर युवक को काफी देर तक समझाया गया, तब जाकर वह नीचे उतरा। युवक नशे में था, उससे पूछताछ की जा रही है कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया। फिलहाल पुलिस ने युवक को समझाइश देकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

उन्नत कृषि करने वाले किसानों और जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

सीएम ने किसानों से कहा, बुंदेलखंड हीरों की धरती, यहां जमीन में निकलता है हीरा

हरिभूमि न्यूज ॥ गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धरती पुत्र परिश्रम से फसल उगाते हैं, जो सभी को उपलब्ध होता है। अन्नदाता किसानों की समस्याओं को दूर कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों की धरती है। यहां की जमीन में हीरा निकलता है। मुख्यमंत्री ने जिले में होने वाली पिपरमेंट की खेती का भी जिक्र किया।

साथ ही फर्नीचर की क्वालिटी को बेहतर बताया। मुख्यमंत्री नई दिल्ली प्रवास के दौरान शनिवार को बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रगतिशील किसानों से संवाद भी किया। छतरपुर जिले के किसानों को रबी सीजन की फसलों की नवीनतम तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं आधुनिक कृषि संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुए बलराम कृषि महोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों ने दीप जलाकर किया। छतरपुर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, प्रशासक अपेक्स बैंक डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, प्रशासक सहकारिता केपी सिंह, विधायक राजनगर अरविंद पट्टेरिया उपस्थित थे।

फसलों का उत्पादन करते हुए प्रोसेसिंग के साथ बाजार में बेचा जाता है

जनजाति समाज की हब्बीबाई ग्राम सलैया ने बताया कि उनके द्वारा कोदो, कुटकी, रागी, बाजरा, ज्वार एवं अन्य लघु धान्य फसलों का उत्पादन करते हुए प्रोसेसिंग के साथ बाजार में बेचा जाता है। ग्राम हटना निवासी अनिल यादव ने बताया कि उन्होंने कस्टम हायरिंग केन्द्र की स्थापना की। ट्रैक्टर सहित कुल 6 यंत्र खरीदे। गत वर्ष अन्य किसानों को किराए पर यंत्र उपलब्ध करवाने से लगभग 5.50 लाख तक मुनाफा प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने किसान तुलसा कुशवाहा निवासी लखनगुवां से भी संवाद किया। तुलसा ने बताया कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फसल और सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, मछली पालन, बतख पालन आदि कर रही हैं जो उन्हें मुनाफा दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया।

दिल्ली प्रवास के दौरान बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे, उन्होंने प्रगतिशील किसानों से किया संवाद

प्रगतिशील किसान और कृषक परिवारों के मेधावी बच्चे हुए सम्मानित



बलराम महोत्सव में सीएम का वर्चुअल संवाद।

प्रगतिशील किसान और मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिले के 10 प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। साथ ही प्रावीण्य सूची में आए कृषकों के बच्चों को भी सम्मानित किया गया। बलराम कृषि महोत्सव में कृषि वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ किसानों को रबी मौसम की

प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों, नवीनतम कृषि तकनीक, बेहतर कृषि पद्धतियों, फसल प्रबंधन तथा समसामयिक कृषि विषयों की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाकर उत्पादन और कृषि आय बढ़ाने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया।

मुख्यमंत्री को किसानों ने बताए कृषि क्षेत्र के नवाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने कृषि क्षेत्र के नवाचारों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने छतरपुर जिले के प्रगतिशील किसान सलीम खान से संवाद किया। सलीम ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ होलेस्टिक फार्मिंग एवं औषधीय फसल उत्पादन एवं कृषि के साथ अन्य कृषकों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के संबंध में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री को बिजावर निवासी कृषक सौरभ भटनागर ने बताया कि वे जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फल और सब्जी उत्पादन कार्यक्रम तथा होलेस्टिक फार्मिंग (मुर्गी पालन, मछली पालन, बतख पालन) करते हैं।

लिपिक सड़कों पर, सरकार नहीं निकाल पाई समस्याओं का समाधान

भोपाल। जिस मंत्रालय के समान ग्रेड पे और सीपीसीटी समाप्ति जैसी मांग को लेकर मध्य प्रदेश

लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ संघर्ष करता रहा है ,उस पर सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया है। नतीजतन अब संघ के बैनर तले बाबू सड़कों पर उतर पड़े हैं। जहां मंत्रियों से लेकर विधायक और सांसदों को ज्ञापन सौंपे गए। मप्र लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ अपनी लंबित दो सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए प्रदेश के सभी 55 जिलों में स्थानीय कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगा।



प्रतिवर्ष 70 हजार टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी

ग्रीन मोबिलिटी क्रांति वर्ष 2027 तक 1100 नई ई-बसों से सजेगा मध्यप्रदेश का परिवहन बेड़ा

हरिभूमि न्यूज ॥ गोपाल

मप्र में सार्वजनिक यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित, समावेशी और वित्तीय रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए ईंदौर में आयोजित दो दिवसीय यात्री परिवहन विज्ञान समिट-2026 समिट के प्रथम दिन हुए अंतिम सत्र में ग्रीन मोबिलिटी: स्वच्छ ईंधन और भविष्य के लिए तैयार बस बेड़ा विषय पर आयोजित विशेष तकनीकी सत्र में पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन और सतत विकास पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सत्र के दौरान

सीएनजी थिंक गैस सीलियर वाइडर प्रेसिडेंट राणा दत्ता ने कहा कि सीएनजी को वर्तमान परिदृश्य में एक अत्यंत किफायती और व्यावहारिक ईंधन का विकल्प है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एचसीबीएसएल, हरियाणा अशोक कुमार बंसल ने कहा कि इलेक्ट्रिक बस संचालन के जमीनी अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राज्य में ई-बसों के सफल और टिकाऊ संचालन के लिए सुदृढ़ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, राज्य सब्सिडी व पीपीपी मॉडल में पूर्ण पारदर्शिता होना आवश्यक है।

स्वच्छ परिवहन प्रणालियों को अपनाने और आधुनिक यात्री सेवाओं के विस्तार पर बल देते हुए राज्य में हरित गतिशीलता के चार प्रमुख आधार स्तंभ निर्धारित किए गए सुरक्षा, सुगमता और यात्री सुविधा को प्राथमिकता देने वाला भविष्य-अनुकूल बेड़ा; ई-बसों और

पीएम ई-बसें और 120 इंटरसिटी बसें संचालित

राज्य में 96 पीएम ई-बसें और 120 इंटरसिटी बसें संचालित हैं। प्रदेश के परिवहन बेड़े का विस्तार करते हुए आगामी 6 महीनों में 486 नई पीएम ई-बसें व 34 नई इंटरसिटी बसें जोड़ी जाएंगी, जिसे वर्ष-27 तक बढ़ाकर 1,100 बसों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इस बेड़े को सहायता देने के लिए वर्तमान 7 डिपो के अतिरिक्त 6 महीनों में सौ-सौ बसों की क्षमता वाले 9 नए अत्याधुनिक डिपो विकसित किए जाएंगे। इस विस्तार से प्रति वर्ष 70 हजार टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

यात्रियों को मिल रही तेज और सुगम यात्रा टोलिंग में तकनीक का नया कदम, फंडा प्लाजा पर बैरियर-फ्री पायलट

हरिभूमि न्यूज ॥ गोपाल

भोपाल-देवास मार्ग पर यात्रियों के टोल अनुभव को अधिक सुगम और तेज बनाने की दिशा में देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड (डीबीसीपीएल) ने फंडा टोल प्लाजा पर बैरियर-फ्री टोलिंग व्यवस्था का पायलट परीक्षण शुरू किया है। नई व्यवस्था में फास्टेग और केमरा आधारित तकनीक के माध्यम से वाहनों की पहचान की जा रही है, जिससे टोल भुगतान की प्रक्रिया को अधिक सहज बनाने और वाहनों को टोल बैरियर पर रुकने की आवश्यकता को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। पारंपरिक व्यवस्था में वाहन को टोल लेन में रुकना या धीमा करना पड़ता है, जिससे व्यस्त समय में कतार और प्रतीक्षा की स्थिति बन सकती है। बैरियर-फ्री व्यवस्था का उद्देश्य इसी प्रक्रिया को अधिक सुचारु बनाना है। नई व्यवस्था का एक प्रमुख उद्देश्य टोल प्लाजा पर वाहनों के रुकने और कतार में खड़े रहने के समय को कम करना है।

टोलिंग व्यवस्था के विस्तार की संभावना

फंडा टोल प्लाजा पर शुरू किया गया पायलट सफल रहने पर बैरियर-फ्री और तकनीकी आधारित टोलिंग व्यवस्था के विस्तार की संभावना बन सकती है। इससे टोल प्लाजा पर यात्रा के समय को कम करने, ईंधन की बचत करने और वाहनों को आवाजाही को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह कदम सड़क अवसरचना में तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल और यात्रियों को बेहतर सेवा देने की दिशा में डीबीसीपीएल की पहल को दर्शाता है। इस पहल से भविष्य में टोल प्लाजा पर यात्रा के समय को कम करने, ईंधन की बचत और वाहनों की आवाजाही अधिक सुगम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।



वोट देने की सजा दे रही भाजपा सरकार

पटवारी ने कहा कि लोगों ने भाजपा को केंद्र और राज्य दोनों में सरकार बनाने का मौका दिया। सांसद, विधायक और महापौर चुने, लेकिन अब यही सरकार लोगों को वोट देने की सजा दे रही है। उन्होंने कहा कि अब हालात ये हैं कि मोदी... मोदी... मोदी नहीं, बल्कि राहुल... राहुल... राहुल होने लगा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपना राजनीतिक और जनहित का रोल निभा रही है और मास्टर प्लान जारी करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण बालाघाट, सागर, छिंदवाड़ा और इंदौर में लोगों की जान गई। उन्होंने भाजपा सरकार को ‘कैंसर का कीटाणु’ बताते हुए कहा कि सरकार को जनता के मुँहों पर जवाब देना चाहिए।

21 साल से नहीं आया मास्टर प्लान: पीसी

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि हर दस साल में मास्टर प्लान आना चाहिए, लेकिन भोपाल का मास्टर प्लान 21 साल से नहीं आया है। इससे व्यवसायी और रहवासी दोनों परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आवासीय और कर्मश्रिलज जमीन से होने वाले फायदे और कमाई को देखते हुए भाजपा के नेता और अधिकारी मास्टर

प्लान जारी नहीं होने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल का आखिरी मास्टर प्लान 1995 में तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार के समय आया था, जो 2005 तक के लिए था। धरने के समापन कार्यक्रम में विधायक नितेंद्र सिंह राठौर, मुकेश नायक समेत कांग्रेस के तमाम नेता बड़ी तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे।



आरोपी छात्राओं ने वीडियो कॉल कर लड़के से मंगवाई माफी, जान से मारने की दी धमकी डर के कारण 38 दिन बाद पुलिस के पास पहुंची पीड़िता; पुलिस ने दर्ज किया मामला

बड़ी संख्या में डेरा डालकर बालाघाट में बैठे हैं इन्प्लुएंसर, अभिजीत दीपके की गाड़ी को मारी टक्कर

लोकतंत्र की हत्या करने इन्प्लुएंसर का रक्षण कर रही है सरकार : पूर्व सांसद कंकर मुंजारे

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट में पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने रविवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि शनिवार को सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके पर जानलेवा हमला हो सकता था। दीपके आदिवासी अंचल में बच्चों की मौत से प्रभावित परिवारों से मिलने आए थे।

प्रेस से बात करते हुए मुंजारे ने बताया कि शनिवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों ने दीपके के खिलाफ गलत बातें कहीं। उन्होंने दीपके के वाहन को भी टक्कर मारी। मुंजारे के अनुसार, हमलावरों की संख्या बहुत ज्यादा थी। यदि दीपके गाड़ी से उतर जाते, तो वे उन्हें मार डालते। उन्होंने कहा कि शनिवार को एक बड़ा हादसा होत-होते टल गया।

पूर्व सांसद ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोकतंत्र की हत्या करने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को लगा रखा है। मुंजारे ने बताया कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में डेरा डाले बैठे ये सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पूरी तरह से प्रायोजित हैं। इनमें राजगढ़ और भोपाल के कुछ लोग शामिल हैं, जिन्हें प्रशासन सुरक्षा दे रहा है। मुंजारे ने आदिवासी ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के बीमार होने और मौतों की घटनाओं पर भी चिंता जताई।



उन्होंने कहा कि इन बच्चों का सही इलाज नहीं हो पा रहा है और सरकार अब तक बीमारी की पहचान नहीं कर सकी है। सरकार मृतकों के पोस्टमार्टम भी नहीं करवा रही है। यह स्थिति चिंताजनक है और शासन-प्रशासन पर सवाल उठाती है। उन्होंने दावा किया कि उनकी जानकारी में क्षेत्र में 50 से ज्यादा बच्चों की मौतें हुई हैं। लेकिन शासन और प्रशासन आंकड़े छिपाने का काम कर रहा है। मुंजारे ने बताया कि वे जल्द ही इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

कुकड़ीखापा जलप्रपात में फंसे नागपुर के चार पर्यटक सुरक्षित



हरिभूमि न्यूज:छिन्दवाड़ा। रविवार को कुकड़ीखापा जलप्रपात घूमने पहुंचे नागपुर के चार युवक पर्यटक अचानक जलप्रपात क्षेत्र में फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। थाना मोहखेड़, चौकी उमरानाला पुलिस टीम के साथ एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त प्रयासों से चारों पर्यटकों को सकुशल बाहर निकाल लिया।

पुलिस के अनुसार, रविवार को नागपुर से चार युवक कुकड़ीखापा जलप्रपात घूमने पहुंचे थे। जलप्रपात क्षेत्र में पानी का बहाव और भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होने के कारण वे वहां फंस गए। युवकों के फंसे होने की सूचना पुलिस को मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद थाना मोहखेड़ एवं चौकी उमरानाला की टीम को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। साथ ही एसडीआरएफ टीम की मदद ली गई। मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने परिस्थितियों का जायजा लेकर सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू की कार्यवाही शुरू की। टीम ने सावधानीपूर्वक अभियान चलाते हुए फंसे चारों युवकों तक पहुंच बनाई और उन्हें सुरक्षित स्थान तक बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद चारों पर्यटकों को सकुशल उनके साथियों एवं परिजनों के संपर्क में पहुंचाया गया। बारिश के मौसम में

जलप्रपात और नदी-नालों में पानी का बहाव बढ़ने के कारण पर्यटन स्थलों पर हादसों की आशंका बनी रहती है। ऐसे में पुलिस और एसडीआरएफ की टीम की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। समय पर रेस्क्यू शुरू होने से चारों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने पर्यटकों से अपील की है कि बारिश के दौरान जलप्रपात, नदी और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतें। पानी का बहाव अधिक होने पर जोखिम लेकर आगे न जाएं और सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। एसपी के निर्देशन एवं एएसपी के मार्गदर्शन में थाना मोहखेड़, चौकी उमरानाला पुलिस तथा एसडीआरएफ टीम द्वारा की गई। पुलिस की इस तत्परता से चारों पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया।

दूषित नहीं होने देंगे बालाघाट की पत्रकारिता

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट में पत्रकारों ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के खिलाफ नागरजी जताई है। ये इन्फ्लुएंसर भोपाल से भेजे गए थे। पत्रकारों का आरोप है कि इन इन्फ्लुएंसरों ने बालाघाट और यहां की पत्रकारिता को छवि खराब की है।

दरअसल, जिले के आदिवासी इलाकों में 32 बच्चों की मौत और लगातार बच्चों के बीमार होने की खबरें आ रही थीं। प्रशासन इसे नियंत्रण में बता रहा था, जबकि जमीनी हकीकत अलग थी। स्थानीय पत्रकारों ने यही हकीकत दिखाई थी। इसके बाद ग्रामीण इलाकों में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को भेजा गया।

शनिवार को इन इन्फ्लुएंसरों ने सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके के साथ गलत व्यवहार किया। इसके विरोध में रविवार को बालाघाट के पत्रकार एकजुट हुए। उन्होंने इन्फ्लुएंसरों के व्यवहार की कड़ी आलोचना की। इस बैठक में जिले के वरिष्ठ पत्रकार आनंद ताम्रकर, अशोक मोटवानी, रफी अंसारी, शशांक माहुले, रूपेश श्रीवास्तव और आशीष शर्मा मौजूद थे। इनके साथ ही जनसंपर्क अधिकारी माथनसिंह उईके और जिला जनसंपर्क अधिकारी अनिल पटले भी शामिल हुए।



रेत माफियाओं के खिलाफ कप्तान का सख्त रुख एसपी संजय अग्रवाल ने खुद संगाला मोर्चा अवैध कारोबार पर नकेल कसने निकले पुलिस कप्तान

शहडोल। जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन के काले कारोबार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर निर्देश जारी करने के बजाय, स्वयं धरातल पर उतरकर कार्यवाही करने की उनकी अनूठी और निडर कार्यशैली ने एक बार फिर जिलेभर में अवैध कारोबारियों की नींद उड़ा दी है। सोहागपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ व संवेदनशील ग्रामीण

अंचलों नरवार, बिजौरी और झीरसागर के संभावित अवैध उत्खनन क्षेत्रों में पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए औचक निरीक्षण ने यह साफ कर दिया है कि शहडोल में कानून का राज कायम रखने के लिए खाकी पूरी तरह संकल्पित है।

बीहड़ों और पगडंडियों पर पैदल गश्त

आमतौर पर बड़े अधिकारियों का दौरा औपचारिक कार्यों के काफिले तक सीमित रहता है, लेकिन स्वक संजय अग्रवाल की कार्यप्रणाली बिल्कुल अलग है। उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक प्रभावित इलाकों का रुख किया और खाकी की कमान खुद संभालते हुए बीहड़ों, नदी तटों व दुर्गम पगडंडियों पर कई किलोमीटर तक सघन पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और अवैध गतिविधियों की

वास्तविक स्थिति का गहराई से अध्ययन किया। कप्तान की इस अचानक मौजूदगी से क्षेत्र के अवैध उत्खननकर्ताओं और असमाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया।

झीरसागर में गिला रेत का अवैध जखीरा

सघन जांच के दौरान मौके पर यद्यपि कोई मशीन या वाहन सक्रिय रूप से उत्खनन करते नहीं मिला, लेकिन पुलिस कप्तान की तीखी नजरों से अवैध भंडारण नहीं बच सका। झीरसागर गांव के समीप भारी मात्रा में रेत का अवैध ढंप पाया गया। डॉ. संजय अग्रवाल ने तुरंत मौके पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए और इस अवैध भंडारण पर कठोरतम वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए खनिज विभाग को विधिवत पत्राचार किया। उनकी इस त्वरित



कार्यवाही से माफियाओं को बड़ा आर्थिक व प्रशासनिक झटका लगा है।

वन क्षेत्र में खुद की पड़ताल

एक सजग और संवेदनशील पुलिस प्रमुख की मिसाल पेश करते हुए डॉ. अग्रवाल ने हाल ही में समाचार पत्रों में प्रकाशित उन खबरों की भी स्वयं तस्दीक की, जिनमें वन क्षेत्र में अवैध उत्खनन की आशंका जताई गई थी। खबरों को गंभीरता से लेते हुए वे स्वयं दल-बल के साथ सघन वन क्षेत्र के भीतर दाखिल हुए और एक-एक हिस्से का निरीक्षण किया। पड़ताल के दौरान वन क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध वाहन या उत्खनन का चिह्न नहीं मिला, जिससे भ्रामक स्थिति स्पष्ट हो सकी। इसके साथ ही, पूर्व में वन कमियों के साथ हुए विवाद से जुड़े घटनास्थल का भी गहराई से जायजा लिया गया।

अवैध गतिविधियों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

निरीक्षण के दौरान उप पुलिस अधीक्षक मोहन दुवे, सोहागपुर थाना प्रभारी निरीक्षक रामायण प्रसाद रावत, रक्षित निरीक्षक अनिरुद्ध मीणा सहित सोहागपुर थाने का समूचा पुलिस अमला मुस्तेद रहा। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में हिदायत दी कि जिले की शांति और प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी माफिया को बख्शा न जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए इस तरह की औचक चेंकिंग और थाना वार सघन गश्त लगातार जारी रहेगी। डॉ. संजय अग्रवाल के इस आक्रामक और निष्पक्ष रुख की आम जनता और जागरूक नागरिकों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है।

सहेली के 'दोस्त' का ऑफर ठुकराने पर छात्रा को बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल

नगर वन के पास सुनसान जगह ले जाकर लात-घुंसों और डंडों से हमला

सतना।

शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। विट्स कॉलेज अमौधा में बीबीए द्वितीय वर्ष की 19 वर्षीय छात्रा कंचन द्विवेदी के साथ उसकी सहेली और उसकी तीन अन्य साथियों ने बेरहमी से मारपीट की। आरोप है कि पीड़िता ने एक छात्र के साथ रिलेशनशिप में आने और बातचीत करने से इनकार कर दिया था, जिससे नाराज होकर आरोपी छात्राओं ने उसे सुनसान जगह पर ले जाकर पीटा, वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पीड़िता कंचन द्विवेदी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 अगस्त 2026 को उसकी सहेली रिया मिश्रा ने उसे काम के बहाने सेमरिया चौराहा बुलाया। वहां से रिया उसे घुमाते हुए नगर वन के सामने एक सुनसान मैदान में ले गईं। मैदान में पहले से ही खुशी पांडेय,अंजलि सिंह और रीमा भोजवानी मौजूद थीं। छात्राओं ने कंचन पर श्रवण सेन नाम के युवक से बात करने का दबाव बनाया और कहा कि वह तुम्हारा पूरा खर्चा उठाएगा। जब पीड़िता ने साफ

इनकार कर दिया,तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों ने मिलकर हाथ-घुंसों और डंडों से कंचन की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस दौरान आरोपी छात्राओं ने मारपीट का वीडियो भी बनाया। पिटाई के बीच ही श्रवण सेन को वीडियो कॉल करके पीड़िता से माफी मंगवाई गई और धमकी दी गई कि यदि उसने बात नहीं मानी या किसी को बताया, तो उसे जान से मार दिया जाएगा और वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। घटना के बाद पीड़िता सहमी रही। मां की बीमारी और पिता के इलाज के सिलसिले में बाहर होने के कारण उसने डर के मारे परिजनों को कुछ नहीं बताया। हालांकि,जब मारपीट का वीडियो एक रिश्तेदार तक पहुंचा,तब 11 सितंबर को परिजन पीड़िता को लेकर कोलगवां थाने पहुंचे। कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही वायरल वीडियो का परीक्षण कराया गया है। पीड़िता के बयान दर्ज कर सभी आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

बांधवगढ़ में ‘जंगल की पाठशाला’, 200 गाइडों को मिल रही विशेष ट्रेनिंग

अब अंग्रेजी में भी गाइड देंगे पर्यटकों को जानकारी

1 अक्टूबर से शुरू होगा पर्यटन सीजन, वन्यजीवों से लेकर बांधवगढ़ की विरासत तक की दी जा रही जानकारी

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 1 अक्टूबर से पर्यटन सीजन शुरू होने जा रहा है। पर्यटन सीजन को लेकर प्रबंधन तैयारियों में जुटा है। पर्यटकों को जंगल, वन्यजीव और बांधवगढ़ की प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत की बेहतर जानकारी मिल सके, इसके लिए करीब 200 गाइडों को लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को ‘जंगल की पाठशाला’ नाम दिया गया है। प्रशिक्षण के दौरान गाइडों को फील्ड विजिट कराई जा रही है। उन्हें वन्यजीवों के पैरों के निशान, उनकी गतिविधियों तथा जंगल में मिलने वाले विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की पहचान करना सिखाया जा रहा है। इसके साथ ही पर्यटकों की भाषा और समझ के अनुसार जानकारी को सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

साल के जंगलों की खासियत समझा रहे विशेषज्ञ

प्रबंधन द्वारा गाइडों को बांधवगढ़ के प्राकृतिक जंगलों की विशेषताओं से भी परिचित कराया जा रहा है। विशेषज्ञ उन्हें साल के घने जंगलों, पेड़ों की उम्र, पर्यावरण में उनकी भूमिका तथा उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इसका उद्देश्य गाइडों को जंगल की प्राकृतिक संरचना और उसके महत्व की बेहतर समझ देना है, ताकि वे सफारी के दौरान



पर्यटकों को इसके बारे में प्रभावी ढंग से बता सकें।

शेषश्रेष्ठ्या और चरणगंगा की भी जानकारी

प्रशिक्षण में बांधवगढ़ की ऐतिहासिक एवं प्राचीन विरासत को भी शामिल किया गया है। ताला क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध शेषश्रेष्ठ्या प्रतिमा भगवान विष्णु की है। प्रतिमा के पैरों से निकलने वाली जलधारा को चरणगंगा नदी कहा जाता है। इसके अलावा मगधी और खितौली क्षेत्रों के प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व के बारे में भी गाइडों को जानकारी दी जा रही है, ताकि पर्यटक सफारी के दौरान जंगल के साथ-साथ बांधवगढ़ की विरासत से भी परिचित हो सकें।

बाघ के साथ पूरी जैव विविधता पर जोर

बांधवगढ़ की पहचान बाघों के लिए भले ही विश्व स्तर पर हो, लेकिन प्रशिक्षण में गाइडों को बाघ के अलावा अन्य वन्यजीवों और पक्षियों की जानकारी देने पर भी विशेष जोर

दिया जा रहा है। गाइडों को इंगल सहित विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की पहचान और उनके व्यवहार के बारे में जानकारी दी जा रही है। प्रबंधन का प्रयास है कि पर्यटकों का अनुभव केवल बाघ देखने तक सीमित न रहे, बल्कि वे सफारी के दौरान बांधवगढ़ के जंगल की पूरी जैव विविधता को भी समझ सकें।

अंग्रेजी भाषा का भी दिया जा रहा प्रशिक्षण

क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि बांधवगढ़ में करीब 200 गाइड हैं, जिन्हें लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पर्यटकों को अधिक से अधिक और सही जानकारी मिल सके, इसके लिए गाइडों को फील्ड ट्रेनिंग कराई जा रही है। गाइडों को अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि हिंदी में समझने में कठिनाई वाले शब्दों को वे पर्यटकों को सरल तरीके से समझा सकें। प्रशिक्षण के दौरान गाइडों से उनकी समझयाओं और आवश्यकताओं की जानकारी भी ली जा रही है।

मध्यप्रदेश हिन्दी में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य

हरिभूमि न्यूज»छिन्दवाडा

स्टीफन स्पेंडर की तरह कहें तो सर्जना के स्तर पर भाषा, अपनी भाषा एक आध्यात्मिक गतिविधि है या टाल्सटाय के शब्दों में यहाँ आध्यात्मिक सक्रियता के ख़ोत प्रवाहित होत हैं या मुक्तिबोध के शब्दों में ‘स्व’ से ऊपर उठना, अन्य के मर्म में प्रवेश करना मनुष्यता का सबसे बड़ा लक्षण है। और यह लक्षण हिन्दी में शब्द बनते ही दिखाई देने लगता है। आकार, अक्षर और स्वन के आकार जिस भाषा में हुआ वह सिर्फ हिन्दी है। इसलिए मैं गिलक्राइस्ट जैसे लोगों का सख्त विरोधी हूँ जो हिन्दी को गंवारू और हिन्दुओं की भाषा कहता था। ‘गासों-द-तासी’ ने लिखा था हिन्दी में हिन्दू धर्म का आभास है। इसलिए यदि हिन्दी के लोकवृत्त को समझना हो तो भक्ति आंदोलन को समझना जरूरी है। जब कबीर कहते हैं ‘कबीरा खड़ा बाजार में, लिए लुकाटी हाथ’ तो वो बाजार का नहीं उसकी माया का विरोध कर रहे हैं या विद्यापति की उम्मीद ‘बिपत अपत तरु पाओल रे पुन नव नव पात’। यह हिन्दी का संदेश है कि जो पते सूख गए हैं तो उनमें फिर नए पते आएंगे। हमारे देश में उदारवाद के पगचिन्ह भक्तिकाल में साफ-साफ दिखाई देते हैं। आखिर मथुरा में आचार्य वल्लभ पहुंचे, चैतन्य पहुंचे और इन सभी ने सामुदायिक खाइयों को पाटने का काम किया। हिन्दी की पाचनशक्ति अद्भुत है। इसमें दुनियाभर की भाषाओं के शब्द हैं और वे अतिथि शब्द नहीं है बल्कि आत्मसात कर लिए गए शब्द हैं। ऐसा दुनिया की कोई भाषा नहीं कर सकी। अंग्रेजी भी नहीं जिसकी सर्वाधिक दुगुनी हमारे देश में पीटी जाती है। अंग्रेजी से पहले वहाँ लैटिन और ग्रीक बोली जाती थी यही अभिजात्य वर्ग की भाषा थी। अंग्रेजी उस समय अभिजात्यो की नहीं हाशिए पर जी रहे गरीबों और मजदूरों की भाषा थी।

